आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

बुनाई(knitting)

गोमपा स्वंय सहायता समूह
वी. एफ. डी. एस. लापचंग

एस.एच.जी. नाम	: :	गोमपा
वी.एफ.डी.एस.नाम	: :	लापचंग
एफ.टी.यू./ रेंज	: :	केलोंग
डी.एम.यू. /मंडल	: :	लाहौल
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	: :	कुल्लू

अनुक्रमणिका

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-2
2	परिचय	3
3	स्वयं सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	5
5	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	6-7
6	बाज़ार की स्तिथी	8
7	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	9
8	उत्पादन की प्रक्रिया	9
9	उत्पादन हेतु नियोजन	9
10	बिक्री का विवरण	10
11	समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण	11
12	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
13	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	13-16
14	उद्यम हेतु लागत – लाभ विश्लेषण	16
15	समूह की वित्तीय आवश्यकता	17
16	समूह की वित्तीय संसाधन	17
17	सम विच्छेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इविन प्वाइंट)	17
18	स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि	18
19	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	19
20	समूह का सहमती पत्र	20

1.परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी 70लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ है।यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में लाहौल जिला पर्यटन कृषि व जड़ी-बूटी के लिए प्रसिद्ध है।.

गांव लापचंग , जिला लाहौल स्पीति ,हिमाचल प्रदेशमें स्थित है। लाहौल जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के आधार पर तरह-तरह के नाम दिए गए हैं, जिसमें एक नाम केलोंग वैली है। तिनों लाहौल मुख्यालय से लगभग 19 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम जमीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढंग से नहीं हो पा रहा है।

जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नकदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं। गांव में लोग बुनाई का कार्य भी कर रहे हैं, परंतु उत्पादन पारंपरिक तरीके से होता है। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए व उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यंत्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र एवं प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति तिनों के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से 02 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। इसके बाद " गोमपा स्वयं सहायता समूह" ने बुनाई का कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 9 सदस्य शामिल हुए।

2. स्वयं सहायता समूह की सूची-

क्रमांक	नाम	पद	आयु	लिंग	शैक्षणिक योग्यता	श्रेणी
1	रीना	प्रधान	38	स्त्रीलिंग	+2	अनुसूचितजनजाति
2	टशी अंगमो	सचिव	39	स्त्रीलिंग	+2	अनुसूचितजनजाति
3	छेरिंग डोलमा	सदस्य	44	स्त्रीलिंग	5th	अनुसूचितजनजाति
4	देचेन डोलमा	सदस्य	37	स्त्रीलिंग	+2	अनुसूचितजनजाति
5	तकसंग अंगमो	सदस्य	43	स्त्रीलिंग	8th	अनुसूचितजनजाति
6	अंगमो	सदस्य	57	स्त्रीलिंग	-	अनुसूचितजनजाति
7	सोनम डोलमा	सदस्य	59	स्त्रीलिंग	-	अनुसूचितजनजाति
8	छिमेद अंगमो	सदस्य	68	स्त्रीलिंग	-	अनुसूचितजनजाति
9	अंग्रूप छोमो	सदस्य	67	स्त्रीलिंग	-	अनुसूचितजनजाति

3.स्वयं सहायता समूह विवरण-

1	**समूह का नाम**	गोमपा
2	ग्राम वन विकास समिति	**लापचंग**
3	वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	केलोंग
4	वन मंडल / मंडलीय प्रबंधन इकाई	**लापचंग**
5	गाँव	तिनों
6	विकास खंड	केलांग
7	जिला	लाहौल- स्पीती
8	समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	9
9	समूह के गठन की तिथि	दिसम्बर 2021
10	बैंक खाता संख्या	4519000100044350
11	बैंक का नाम और शाखा जहाँ समूह का खता संचालित है	PNB Keylong
12	सवयं सहायता समूह की मासिक बचत	100
13	कुल बचत	
14	सदस्यों को आपस में दिया ऋण	0
15	नगती जमां करने की सीमा	
16	चुकोती की स्थिति	6 महीनें

4.ग्राम की भौगोलिक स्थिति –

1	जिला मुख्यालय से दूरी	19 किलोमीटर (लगभग)
2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	केलोंग ,19 किलोमीटर लगभग
3	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	केलोंग , 19 किलोमीटर
4	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 110 किलोमीटर, मनाली 70 किलोमीटर
5	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का विक्रय/ विपणन किया जाएगा	केलोंग,उदयपुर, कुल्लू, भुंतर, मनाली
6	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के संबंध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी, कोटी, जुराबें, स्वेटर बनाते हैं।
7	पिछले/ पूर्व और आगामी संपर्कों की स्थिति	लगातार बैठकर की जा रही है और बुनाई की जानकारी साझा की जा रही है

1.वयवसाय करने की आवश्यकता क्यों ?

ग्राम वन विकास समिति में महिलाओं का पहले से गठित समूह है जिसमें समूह की सभी महिलाएं बुनाई का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती हैं | इसलिए महिलाओं ने समूह के माध्यम से जाईका परियोजना से बुनाई की मशीनों को प्रदान करने की तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है |

2. **वयवसाय योजना के उदेश्य –**

समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना | समूह के लिए निरंतर आय के संसाधन को उपलब्ध करना | उत्पाद को बाज़ार से जोड़ना | सभी सदस्यों को काम के लिए प्रेरित करना | बुनाई वयवस्था की नवीनतम एवम् आधुनिक तकनीकों को बढावा देना |आजीविका की बढोतरी |

3. वयवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल हें-
बुनाई (कोटी ,स्वेटर,बच्चों के सेट , टोपी जुराबें इत्यादि शामिल हें|

4. सामुदायिक गतिशीलता-
इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता पैदा एवं गतिशीलन के उपरांत आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लाभार्थियों की छटनी की गई है|

5. समूह का निर्माण :
सवयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष ,सचिव व कोषाध्यक्ष का सर्व सहमति से चुना गया | समूह की सदस्यों की सहमति से समूह के लिए नियम एवं शर्तें निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान कीया गया है|

6क्षमता का निर्माण –
लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रक्षिक्षण करवाना अनिवार्य है|

7.बुनाई मशीन इत्यादि का वितरण –
समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म की मशीनें उपलब्ध करवाई जाये ताकि अच्छे ढंग से कार्य कर सके |

8.बाज़ार से जोड़ना :
अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व निजी सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ सम्बन्ध स्थापितकरने के लिए तैयार है | विक्रय के लिए लोकल बाज़ारों के दुकानदरों से जोड़ कर , मेलों में प्रदर्शनी लगाकर और नेचर अवेयरनेस पार्क में

9 .वितीय संसाधनों एवं संबंधित विभागों को जोड़ना :
वयवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का प्रयास कीया जायेगा तथा उन्हें' विभन्न बैंकों द्वारा ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जायेगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जायेगा |

10.अपेक्षित सहायता एवं संसाधनों :

वितीय प्रबंधन : (पूंजीगत व्यय का 75%परियोजना द्वारा सहायता दी जायेगी ,शेष 25 % सदस्य द्वारा वहन कीया जायेगा |

मानव : 6 सदस्य

तकनीकी : तकनीकी सहायता गाँव में ही मास्टर ट्रेनर लगाकर परियोजना द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान कीया जायेगा |

11.अनुमानित लाभ :

महिलाओं के लिए घरेलू रोजगार उपलब्ध होगा |

समूह के सभी सदस्यों के लिए दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा |

12 बाजार की जानकारी–

स्वयं सहायता समूह के सदस्य पर्यटक स्थलों जेसे –सिस्सू ,अटल टनल ,उदेयपुर, केलोंग ,कुल्लू और मनाली के दुकानदारों के साथ जुड़कर या सवयं कार्य अपना व्यवसाय कर सकते है | परियोजना द्वारा स्वयं सहायता समूह के लिए पर्यटक स्थल सिस्सू के आस पास वन विभाग और जाईका की सहायता से एक दुकान का भी जल्द प्रबंध किया जायेगा | जिससे की महिलाओ को अपने बनाये उत्पादों को कहीं अनन्य स्थान पर ले जाने की जरूरत ना हो और समूह की आमदनी में बढ़ोतरी होगी |

स्वयं सहायता समूह के सदस्य पर्यटक स्थलों जेसे –सिस्सू ,अटल टनल ,उदेयपुर, केलोंग , कुल्लू और मनाली के दुकानदारों के साथ जुड़कर या सवयं कार्य अपना अपना व्यवसाय कर सकते है | परियोजना द्वारा स्वयं सहायता समूह के लिए पर्यटक स्थल सिस्सू के आस पास वन विभाग और जाईका की सहायता से एक दुकान का भी जल्द प्रबंध किया जायेगा | जिससे की महिलाओ को अपने बनाये उत्पादों को कहीं अनन्य स्थान पर ले जाने की जरूरत ना हो और समूह की आमदनी में बढ़ोतरी होगी |

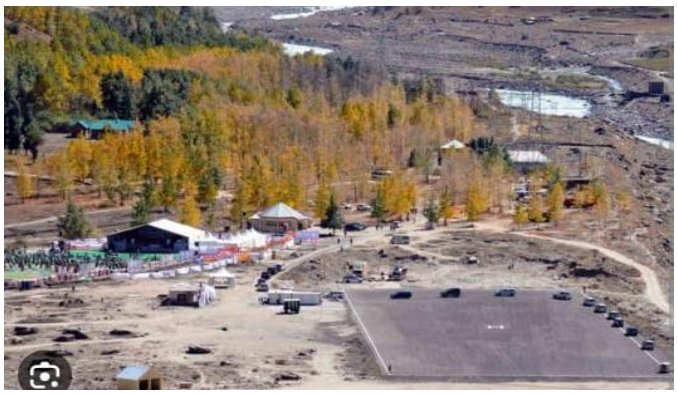

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का वितरण-

1	उत्पाद का नाम	कोटी, स्वेटर, जुराबे, वेवी सैट,टोपी व मफलर
2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य बुनाई का कार्य पहले से ही करते हैं।
3	स्वयं सहायता समूह/समान सूची समूह/ सदस्यों की सामूहिक सहमति	हां।

6. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण-

सर्वप्रथम सवयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा कोटी, स्वेटर ,जुराबें बेबी सेट , टोपी मफलर आदि का प्रशिक्ष्ण दिया जायेगा | प्रशिक्ष्ण के उपरान्त समूह सदस्यों द्वारा उत्पाद तेयार करने में निम्न प्रक्रिया की जायेगी:-

कोटी, स्वेटर, जुराबे, बेबी सेट, टोपी व मफलर तैयार करने की मशीनें लगवाऐंगे। इससे समय और उत्पादों की मजदूरी दर का खर्चा कम होगा।

7. . उत्पादन हेतु नियोजन –

प्रति माह कार्य दिवस : 30 दिन
प्रति माह काम करने वाले व्यक्ति : 6 व्यक्ति
कच्चे माल का स्त्रोत : केलांग ,कुल्लू
अन्य संसाधनों का स्त्रोत : केलांग ,कुल्लू

नोट : सवयं सहायता समूह के प्रशिक्ष्ण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है तथा इस व्यवसाय योजना में शामिल नहीं है |

समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण –

प्रबंधन के लिए नियम बनाये जायेंगें |

समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगें |

बंटवारा कार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर कीया जायेगा |

लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवता , कुशलता तथा मेहनत के आधार पर कीया जायेगा |

विपणन करने वाले सदस्यों को कुल बिक्री राशि पर 5 % कमीशन दी जायेगी |

प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अवलोकन समय समय पर करते रहेंगें|

8.बिक्री का विवरण-

1.	सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम	केलोंग ,मनाली, कुल्लू और भुंतर
2.	उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी	केलोंग 25 कि0मी0,कुल्लू 136 कि0मी0,मनाली 96 कि0मी0
3.	बजार में उत्पाद की अनुमानित मांग	कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि
4.	बजार को चिन्हित करने की प्रकिया	लोकल बाज़ार को चिन्हित किया गया है जैसे की केलोंग,मनाली, कुल्लू और भुंतर।
5.	मौसम मे ंपरिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति	मांग के अनुसार उत्पादन घटाया या बढाया जाएगा ।
6.	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय निवासी
7.	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	गाँव व शेहर की महिलाएँ / पुरुष
8.	उत्पाद का विपणन तंत्र	सीधा सम्पर्क दुकानदारों से और गाँव की महिलाऐं और पुरषों के कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि की बुनाई।
9.	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि की बुनाई मांग के अनुसार घटाएंगे या बढायेंगे|

9.समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे |
समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे |
बंटवाराकार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता, कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा |
विपणन करने वाले सदस्यों को कुल बिक्री राशि पर 5% कमीशन दी जाएगी |
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेंगे

शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण-

शक्ति
महिलाओं में कार्य करने की लगन है।
पहले से ही कुछ सदस्य बुनाई का काम करते हैं।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्ब्रल्ता
महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।
कार्य के लिए 2 से 3 घंटे का समय ही निकाल पाना।
समूह में कर रहे हो पहली बार कर रहे हैं।

अवसर
हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
कुल्ल, मनाली, उदयपुर, त्रिलोकीनाथ, चंद्रताल पर्यटक स्थल है।
अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।

चुनौती
बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।
अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन)

कार्यों में व्यवस्था।

10.संभावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण-

क्र.सं.	जोखिमों/चुनौतियों का विवरण	जोखिम कम करने के उपाय
1.	बाजार की स्थिति(डिमांड) को ना समझना।	समय-समय पर बाजार की मांग के अनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	उपभोक्ताओं के मनपसंद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।	अन्य उत्पाद केंद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
4.	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	उपभोक्ताओं से हमेशा संपर्क में रहना।
5.	कृषि, बागवानी व पशुपालन कार्य में ज्यादा व्यवस्था।	कृषि, बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्य में साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	समूह मैं बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना।पारदर्शिता से कार्य करना।
7.	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे।

11. उद्यम हेतु अनुमानित लागत एवं उत्पाद के विक्रय मूल्य की गणना -

1. पूंजीगत व्यय

क्रमाक	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय
1	Card Knitting मशीन	9	32000	288000
2	Accessories			5000
	योग			293000/-
	परियोजना अंश 75%			219750
	लाभार्थी अंश 25%			73250
	योग			293000/-

आवर्ती व्यय एक महीना लिया गया है|

स्वेटर					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	40	700	28000
2	कच्चा माल बटन	नo	0	0	0
3.	मजदूरी	दिन	30	350	10500
	कुल				38500/-
बच्चों के सेट					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	20	700	14000
2	कच्चा माल बटन	नo	0	0	0
3.	मजदूरी	दिन	30	350	10500
	कुल				24500/-
जुराब					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	20	700	14000
2	कच्चा माल नायलॉन धागा	किलोग्राम	10	300	3000

3.	मजदूरी	दिन	30	350	10500
	कुल				27500/-
टोपी और मफलर					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	10	700	7000
2.	मजदूरी		30	350	10500
	कुल				17500/-
अन्य खर्चा					
क्र0स0	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**दर**	**धनराशि**
1.	परिवहन खर्चा	-		L/S	2000
2.	किराया कमरा	महीना		L/S	1000
3.	पैकजिग और स्टीकर				10000
4.	बिजली और पानी औसत				2000
	कुल				6000/-
	कुल योग	-	-	-	**123000/-**

3.उत्पाद की लागत

क्र0स0	**विवरण**	**धनराशि (रू0)**
1	कुल आवर्ती लागत	123000
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	1392
	योग	124392/-

4 विक्रय मूल्य की गणना / आंकलन (प्रतिचक्र):

क्र0स0	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**दर**	**धनराशी**
1	उत्पादन की लागत				
	स्वेटर	नंबर	30	600	18000

	बच्चों के सेट	नंबर	30	200	6000
	जुराबे	नंबर	50	100	5000
	टोपी , मफलर	नंबर	50	200	10000
	कुल लागत		160 नग		39000/-
2	उत्पादन की अनुमानित विक्रय				
	स्वेटर	नंबर	30	1000	30000
	बच्चों के सेट	नंबर	30	350	10500
	जुराबे	नंबर	50	300	15000
	टोपी , मफलर	नंबर	50	400	20000
	योग		160 नग		75500/-
3	निर्धारित लाभ				
	स्वेटर	नंबर	30	400	12000
	बच्चों के सेट	नंबर	30	150	4500
	जुराबे	नंबर	50	200	10000
	टोपी, मफलर	नंबर	50	200	10000
	योग		160 नग		36500/-

12 उद्यम लागत – लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए) -

क्र0स0	मद	धनराशि (रू)
	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास (अ)	1392/-
	आवर्ती व्यय	
	किराया	1000
	परिवहन	2000
	कच्चा माल धागा	63000
	कच्चा माल नायलॉन धागा	3000
	मजदूरी	42000
	अन्य खर्चा पैकजिग पानी ,बिजली ,स्टीकर ,इत्यादि	6000
	योग	117000/-
	कुल उत्पादन (नं0 में)	प्रतिमाह / 160 न0
	उत्पादन की विक्री मूल्य प्रतिमाह	75500/-
	कुल लाभ = विक्री मूल्य-(पूंजीगत मूल्य ह्रास+ आवर्ती मूल्य)	
	कुल लाभ = 75500-(1392+123000)	48892/-
	उत्पाद की बुनाई से सकल लाभ = कुल लाभ +मजदूरी एवं कमरा किराया = 48892 + 42000 + 1000	91892/-

यह धनराशी मजदूरी व किराये की धनराशी के अतिरिक्त है | लाभ प्रति सदस्य का वितरण सदस्यों के मध्य सहमत अनुपात के आधार पर किया जायेगा |

13. -

समूह की वित्तीय आवश्यकता :

क्र0स0	मद	धनराशी (रु)
1	पूंजीगत व्यय	293000
2	आवर्ती व्यय	123000
	योग	**413000/-**

14. समूह के वित्तीय संसाधन –

क्र0स0	संसाधन का विवरण	धनराशी (रु)
1	परियोजना द्वारा सहायता कोष की धनराशी 75 % पूंजीगत व्यय	219750
2	लाभार्थी अंश 25% पूंजीगत व्यय	73250
	योग	293000/-

15 सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना -

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य –आवर्ती व्यय

= 293000 / 75500 -123000 = 167000/ 47500

= 3.51 माह = 3.51 x 30 = 105.3 दिन

उपरोक्त अनुपात में बुनाई करके देने पर " ब्रेक इवन पॉइंट" 105 दिनों में प्राप्त होगा| दुसरे शब्दों में इस गतिविधि में लगी गई राशि 95 दिनों में प्राप्त होगा |

16. स्वयं सहायता समूह नियमो की सूची-

1. समूह का काम :बुनाई का कार्य
2. समूह का पता : **गाँव लापचंग, तहसील केलोंग, जिला लाहुल स्पिति, हिमाचल प्रदेश |**
3. समूह के कुल सदस्यः 9
4. समूह की मासिक बैठक हर माह की 10. तारिक को होगी |
5. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
6. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
7. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
8. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
9. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
10. स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
11. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
12. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए

स्वंय सहायता समूह के सदस्यों का चित्र-

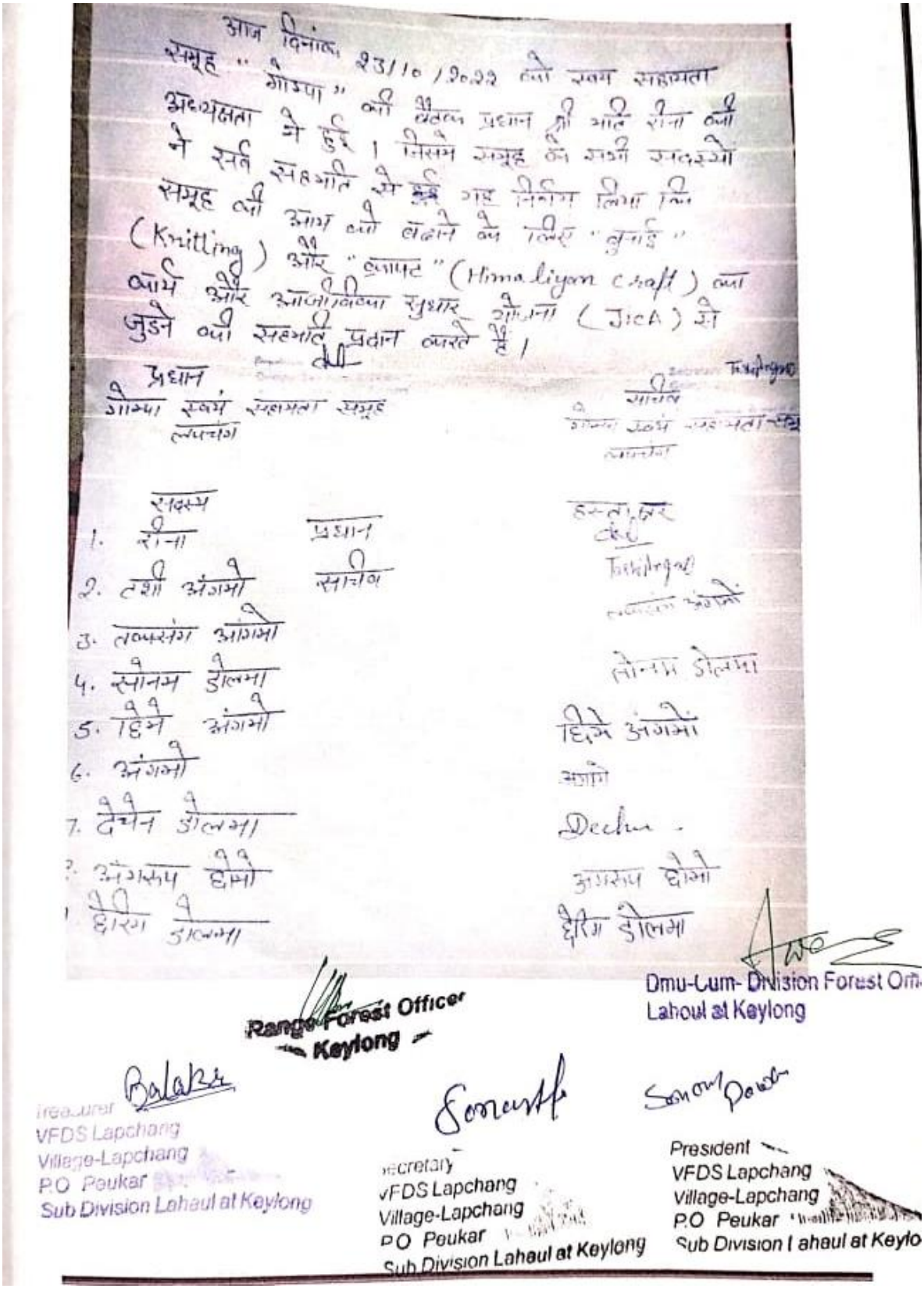

आज दिनांक 23/10/2022 को स्वयं सहायता समूह "गोम्पा" की बैठक प्रधान श्री मति रीना की अध्यक्षता मे हुई। जिसमे समूह के सभी सदस्यों ने सर्व सहमति से यह निर्णय लिया कि समूह की आय को बढ़ाने के लिए "बुनाई" (Knitting) और "क्राफ्ट" (Himaliyan craft) का कार्य और आजीविका सुधार योजना (JICA) से जुड़ने की सहमति प्रदान करते हैं।

प्रधान
गोम्पा स्वयं सहायता समूह
लपचांग

सचिव
गोम्पा स्वयं सहायता समूह
लपचांग

सदस्य		हस्ताक्षर
1. रीना	प्रधान	
2. टशी अंगमो	सचिव	Tashi Angmo
3. तब्सेंग अंगमो		अंगमो
4. सोनम डोलमा		सोनम डोलमा
5. छिमे अंगमो		छिमे अंगमो
6. अंगमो		अंगमो
7. देचेन डोलमा		Dechen
8. अंगरूप छेमो		अंगरूप छेमो
9. छेरिंग डोलमा		छेरिंग डोलमा

Dmu-Cum-Division Forest Offi
Lahoul at Keylong

Range Forest Officer
Keylong

Treasurer
VFDS Lapchang
Village-Lapchang
P.O Peukar
Sub Division Lahaul at Keylong

Secretary
VFDS Lapchang
Village-Lapchang
P.O Peukar
Sub Division Lahaul at Keylong

President
VFDS Lapchang
Village-Lapchang
P.O Peukar
Sub Division Lahaul at Keylo